MUKESH

कुंडली के प्रमुख चिन्ह

राशि		राशि-स्वामी		तत्व	स्वभाव	ग्रहों के गुण धर्म	
♈	मेष	♂	मंगल	अग्नि	चर	*टेढ़ा*	वक्री
♉	वृषभ	♀	शुक्र	पृथ्वी	स्थिर	रेखांकित	शत्रु-घर
♊	मिथुन	☿	बुध	वायु	द्विस्वभाव	**डार्क**	मित्र-घर
♋	कर्क	☾	चंद्र	जल	चर	●	अस्त
♌	सिंह	☉	रवि	अग्नि	स्थिर	↑	उच्च
♍	कन्या	☿	बुध	पृथ्वी	द्विस्वभाव	↓	नीच
♎	तुला	♀	शुक्र	वायु	चर		
♏	वृश्चिक	♂	मंगल	जल	स्थिर	+	मित्र
♐	धनु	♃	गुरु	अग्नि	द्विस्वभाव	-	शत्रु
♑	मकर	♄	शनि	पृथ्वी	चर	*	सम
♒	कुंभ	♄	शनि	वायु	स्थिर	++	अधिमित्र
♓	मीन	♃	गुरु	जल	द्विस्वभाव	--	अधिशत्रु

विंशोत्तरी, अष्टोत्तरी दशा में दी गई तारीख दशा की समाप्ति तारीख है ।

While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

Horoscope Print Date	:	23/10/2012 16:00
Calculation mode of Rahu	:	Mean Rahu
Rasi-Lord symbol in charts	:	Off
Print Double dates	:	Yes
Print Mangal Dosh	:	Yes
Print Ardh Kaal Sarp	:	Yes
Print Mandi in Chart	:	No
Print Fortuna in Chart	:	No
Special Effects	:	On
Ayanamsa selected	:	CP
Pagesize in Printer driver	:	Not A4

MUKESH

लिंग	पुरुष	अयनांश	23:34:44
जन्म तारीख	16/04/1980	सी.पी. / के.पी.	CP
जन्म दिन	बुधवार	सूर्योदय	06:09:01
जन्म समय	18:48:00	सूर्यास्त	18:55:35
इष्टकाल (घटी)	31:37:26	दिन मान	12:46:34
स्थान	Ajmer		
देश	India	Module	BCA(281)
अक्षांश	026:27:N	चंद्र राशि (पाया)	मेष (तांबा)
रेखांश	074:40:E	राशि अक्षर	अ ल इ
मध्य रेखांश	+05:30	सूर्य राशी(पाश्चात्य)	मेष
युद्ध / ग्रीष्म समय	00 / 00	तिथि	शुक्ल - 2
स्थानिक समय संस्कार	-0:31:20	नक्षत्र	भरणी (3)
स्थानिक समय	18:16:40	नक्षत्र अक्षर	ले
सांपत्तिक काल	07:56:03	नक्षत्र पाया	सोना
अयन	उत्तर	योग	प्रीति
गोल	उत्तर	करण	कौलव
ऋतु	वसंत	शक सवंत्	1902
विंशोत्तरी भोग्यदशा	शुक्र : 05-10-22	हिन्दू महिना (का.)	2036 - वैशाख
अष्टोत्तरी भोग्यदशा	राहू : 00-10-17	हिन्दू महिना (चै)	2037 - वैशाख

While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

|| Om Shri Ganeshaya Namah ||

BEAWAR COMPUTER ACADEMY
(Horoscope Specialist from more than Two Decade)
(1st Online Horoscope making Website of Rajasthan)
(New Year Search "VIVHA" Program, Possible date)

BURAD, Narsingh Street
BEAWAR-305 901 (RAJASTHAN-INDIA)
Website : www.onlinehoro.com
E-mail : burad@onlinehoro.com
+91-01462-254322, 09413041322, 09460042867

MUKESH

पंचांग (निरयन)

वर्ग		आरंभ		अंत	
राशी	मीन	13/04/1980	06:56	15/04/1980	06:31
✓	**मेष**	**15/04/1980**	**06:31**	**17/04/1980**	**06:37**
	वृषभ	17/04/1980	06:37	19/04/1980	09:21
तिथी	शुक्ल - 1	15/04/1980	09:17	16/04/1980	05:42
✓	**शुक्ल - 2**	**16/04/1980**	**05:42**	**17/04/1980**	**02:26**
	शुक्ल - 3	17/04/1980	02:26	17/04/1980	23:39
नक्षत्र	अश्विनी	15/04/1980	06:31	16/04/1980	03:42
✓	**भरणी**	**16/04/1980**	**03:42**	**17/04/1980**	**01:11**
	कृत्तिका	17/04/1980	01:11	17/04/1980	23:09
योग	विष्कंभ	15/04/1980	04:05	15/04/1980	23:58
✓	**प्रीति**	**15/04/1980**	**23:58**	**16/04/1980**	**20:03**
	आयुष्मान	16/04/1980	20:03	17/04/1980	16:30
करण	बालव	16/04/1980	05:42	16/04/1980	16:02
✓	**कौलव**	**16/04/1980**	**16:02**	**17/04/1980**	**02:26**
	तैतिल	17/04/1980	02:26	17/04/1980	12:58

अवकहड़ा चक्र	
योग	**प्रीति**
करण	**कौलव**
वर्ण	**क्षत्रिय**
तत्व	**अग्नि**
वश्य	**चतुष्पाद**
वर्ग	**मृग**
योनी	**गज**
गण	**मनुष्य**
युंजा	**पूर्व**
नाड़ी	**मध्य**

घात चंक्र	
मास	**कार्तिक**
तिथि	**1-6-11**
दिवस	**रविवार**
नक्षत्र	**मघा**
योग	**विष्कंभ**
करण	**बव**
प्रहर	**1**
चंद्र	**मेष**
स्त्रीचंद्र	**मेष**

साढेसाती विचार

छोटी पनोती	21/12/1984	-	17/12/1987
साढेसाती	02/06/1995	-	07/04/2003
छोटी पनोती	06/09/2004	-	16/07/2007
छोटी पनोती	02/11/2014	-	26/10/2017
साढेसाती	29/03/2025	-	31/05/2032
छोटी पनोती	13/07/2034	-	27/08/2036
छोटी पनोती	11/12/2043	-	07/12/2046
साढेसाती	14/05/2054	-	07/03/2062

MUKESH

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह		राशी अंश		नक्षत्र		रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न		तुला	02:17:14	चित्रा	3	शुक्र	मंगल	केतु	-
रवि		मेष	03:07:09	अश्विनी	1	मंगल	केतु	रवि	बाल
चंद्र		मेष	22:44:16	भरणी	3	मंगल	शुक्र	शनि	वृद्ध
मंगल		सिंह	02:54:07	मघा	1	रवि	केतु	शुक्र	बाल
बुध		मीन	09:10:30	उ.भाद्र	2	गुरु	शनि	शुक्र	वृद्ध
गुरु	(व)	सिंह	06:48:34	मघा	3	रवि	केतु	राहू	कुमार
शुक्र		वृषभ	18:25:17	रोहिणी	3	शुक्र	चंद्र	बुध	कुमार
शनि	(व)	सिंह	27:40:35	उत्तरा-फा.	1	रवि	रवि	चंद्र	मृत
राहू	(व)	सिंह	02:40:34	मघा	1	रवि	केतु	शुक्र	बाल
केतु	(व)	कुंभ	02:40:34	धनिष्ठा	3	शनि	मंगल	शुक्र	बाल
हर्षल	(व)	वृश्चिक	01:04:42	विशाखा	4	मंगल	गुरु	मंगल	मृत
नेप.	(व)	वृश्चिक	28:57:26	ज्येष्ठा	4	मंगल	बुध	शनि	बाल
प्लुटो	(व)	कन्या	26:38:18	चित्रा	1	बुध	मंगल	गुरु	बाल
मांदी		कर्क	03:38:28	पुष्य	1	चंद्र	शनि	शनि	-
भा.-सहंम		तुला	21:54:22	विशाखा	1	शुक्र	गुरु	शनि	-

लग्न कुंडली

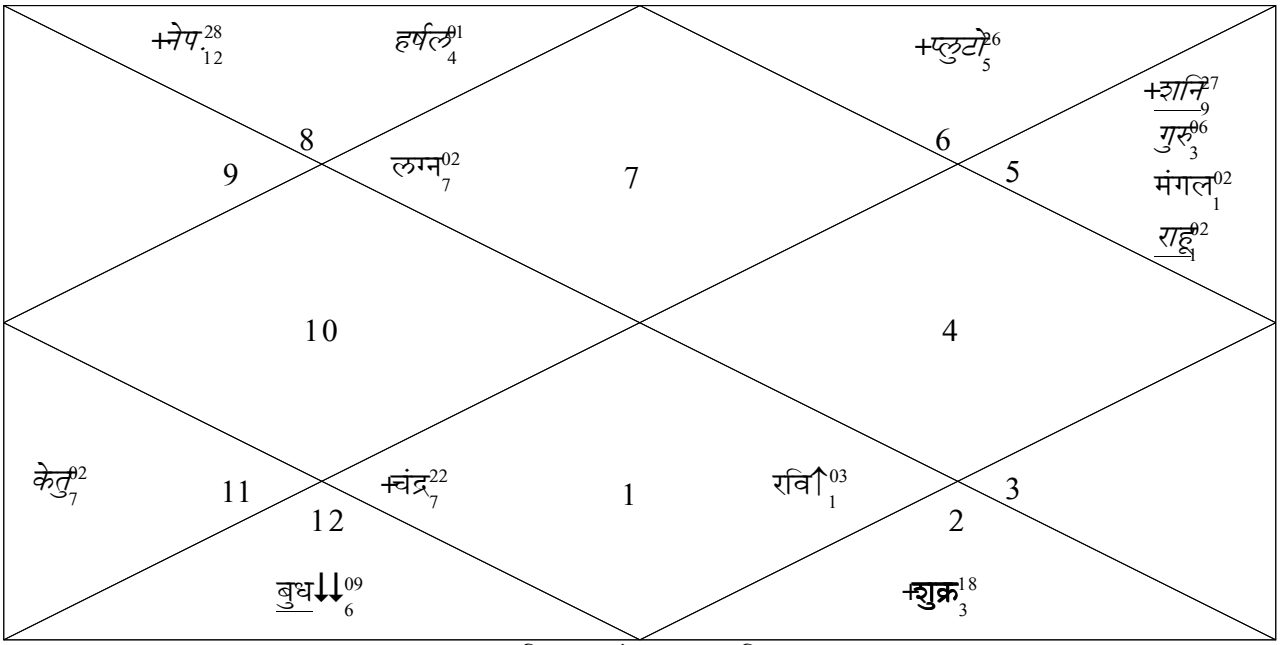

रवि >>> मंगल >>> रवि

वर्गोत्तम ग्रह : लग्न, रवि

+ चिन्ह ग्रह की दिशा चलित कुण्डली में अग्रिम भाव में निर्धारित करता है

MUKESH

ताराचक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	वध	मैत्री	अधि-मैत्री
भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृग	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेशा	मघा
पूर्वा-फा.	उत्तरा-फा.	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल
पू.षाढा	उ.षाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शततारका	पू.भाद्र	उ.भाद्र	रेवती	अश्विनी

चंद्र राशि कुंडली

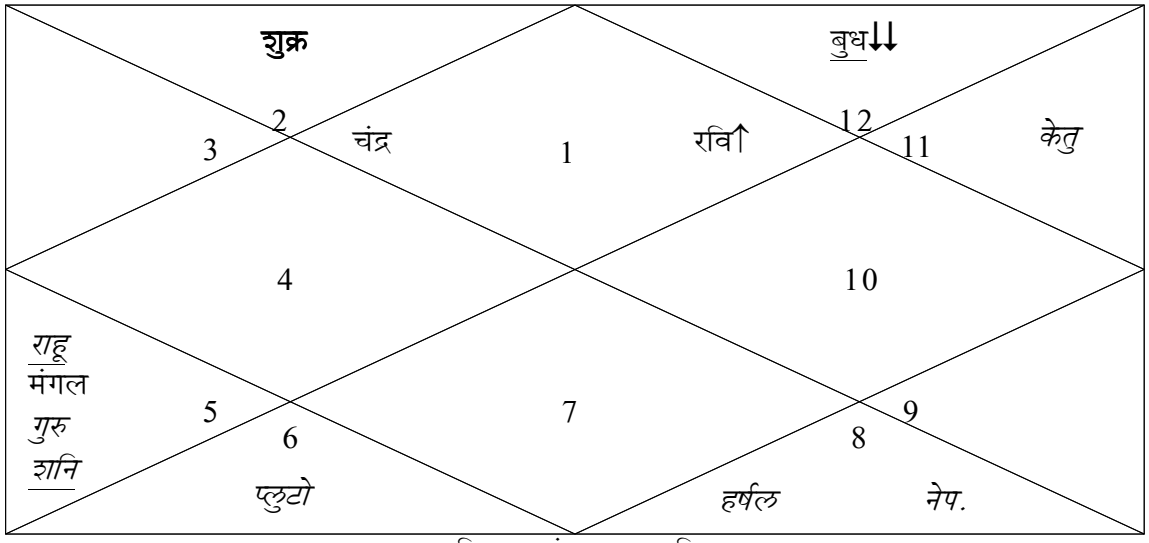

रवि >>> मंगल >>> रवि

नवमांश कुंडली

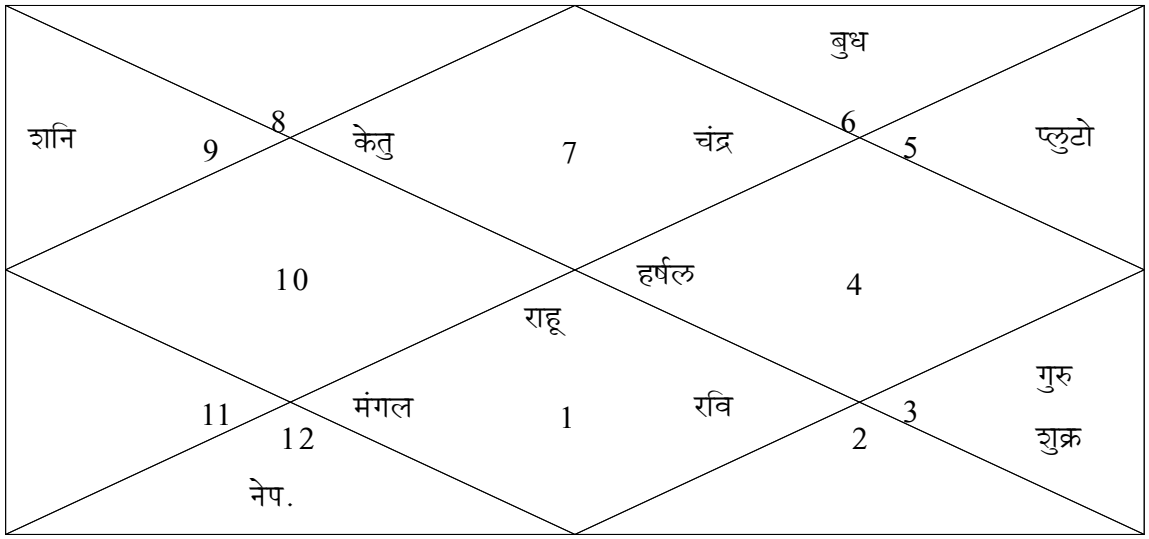

MUKESH

ग्रह द्रष्टि विचार

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु	हर्षल	नेप.	प्लुटो
रवि		19	119 trin	24	123 trin	45 ssqr	144	119 trin	61 sext	153 ququ	125 trin	173 oppo
चंद्र			100	44 ssqr	104	25	124 trin	99	81	172 oppo	144	153 ququ
मंगल				144	3 conj	74 quin	24	0 conj	179 oppo	88 squr	116 trin	53 sext
बुध					148 ququ	70 quin	169	144	36	128 trin	100	162
गुरु						78	20	4 conj	175 oppo	84 squr	112 trin	49 ssqr
शुक्र							99	74 quin	106	162	170	128 trin
शनि								25	154	63 sext	91 squr	28
राहू									180 oppo	88 squr	116 trin	53 sext
केतु										91 squr	63 sext	126 trin
हर्षल											27	34
नेप.												62 sext

ग्रह	गति		शर	क्रांति	अस्त	अवस्था	भाव
रवि	00:58:40	-	00:00:00	10:17:42	-	उच्च	-
चंद्र	14:39:27	-	-04:58:55	11:56:27	-	-	-
मंगल	00:07:20	मध्यम	02:37:33	15:09:25	-	-	-
बुध	01:29:59	मध्यम	-02:37:29	-01:18:49	-	—नीच	दुर्बल
गुरु	-00:01:44	मध्यम	01:15:49	12:31:02	-	-	-
शुक्र	00:52:42	मध्यम	03:53:57	26:05:35	-	-	स्वग्रही
शनि	-00:03:21	मध्यम	02:23:44	05:40:06	-	-	दुर्बल
राहू	-00:03:10	-	00:00:00	00:00:00	-	-	दुर्बल
केतु	-00:03:10	-	00:00:00	00:00:00	-	-	-

MUKESH

विंशोत्तरी महादशा

(भोग्य दशा : शुक्र - 05 साल, 10 महीना, 22 दिन)

	शुक्र	16/04/1980	आयु
	(20)	09/03/1986	
-	-	-	-
-	-	-	-
-	-	-	-
-	-	-	-
-	-	-	-
-	-	-	-
++	शनि	09/03/1982	1
s++	बुध	07/01/1985	4
s++	केतु	09/03/1986	5

	रवि	09/03/1986	आयु
	(6)	09/03/1992	
s	रवि	27/06/1986	6
s*	चंद्र	26/12/1986	6
s*	मंगल	03/05/1987	7
--	राहू	27/03/1988	7
*	गुरु	13/01/1989	8
--	शनि	26/12/1989	9
++	बुध	01/11/1990	10
*	केतु	09/03/1991	10
*	शुक्र	09/03/1992	11

	चंद्र	09/03/1992	आयु
	(10)	09/03/2002	
	चंद्र	07/01/1993	12
*	मंगल	08/08/1993	13
--	राहू	07/02/1995	14
S*	गुरु	08/06/1996	16
S--	शनि	07/01/1998	17
S*	बुध	09/06/1999	19
S*	केतु	08/01/2000	19
S*	शुक्र	07/09/2001	21
S*	रवि	09/03/2002	21

	मंगल	09/03/2002	आयु
	(7)	09/03/2009	
	मंगल	05/08/2002	22
--	राहू	24/08/2003	23
*	गुरु	30/07/2004	24
s--	शनि	07/09/2005	25
s-	बुध	05/09/2006	26
s*	केतु	01/02/2007	26
+	शुक्र	02/04/2008	27
*	रवि	08/08/2008	28
-	चंद्र	09/03/2009	28

	राहू	09/03/2009	आयु
	(18)	09/03/2027	
	राहू	20/11/2011	31
-	गुरु	15/04/2014	33
*	शनि	19/02/2017	36
*	बुध	08/09/2019	39
--	केतु	25/09/2020	40
++	शुक्र	26/09/2023	43
--	रवि	20/08/2024	44
S--	चंद्र	19/02/2026	45
S--	मंगल	09/03/2027	46

	गुरु	09/03/2027	आयु
	(16)	09/03/2043	
S	गुरु	26/04/2029	48
S-	शनि	08/11/2031	51
-	बुध	13/02/2034	53
s-	केतु	20/01/2035	54
+	शुक्र	20/09/2037	57
*	रवि	09/07/2038	58
-	चंद्र	08/11/2039	59
*	मंगल	14/10/2040	60
-	राहू	09/03/2043	62

	शनि	09/03/2043	आयु
	(19)	09/03/2062	
s	शनि	12/03/2046	65
-	बुध	19/11/2048	68
--	केतु	29/12/2049	69
++	शुक्र	28/02/2053	72
--	रवि	10/02/2054	73
S-	चंद्र	11/09/2055	75
S-	मंगल	20/10/2056	76
S*	राहू	27/08/2059	79
-	गुरु	09/03/2062	81

	बुध	09/03/2062	आयु
	(17)	09/03/2079	
s	बुध	05/08/2064	84
s+	केतु	02/08/2065	85
++	शुक्र	02/06/2068	88
+	रवि	08/04/2069	88
++	चंद्र	08/09/2070	90
--	मंगल	05/09/2071	91
s*	राहू	24/03/2074	93
--	गुरु	29/06/2076	96
*	शनि	09/03/2079	98

	केतु	09/03/2079	आयु
	(7)	09/03/2086	
	केतु	05/08/2079	99
++	शुक्र	05/10/2080	100
*	रवि	09/02/2081	100
*	चंद्र	10/09/2081	101
*	मंगल	07/02/2082	101
--	राहू	25/02/2083	102
-	गुरु	01/02/2084	103
S--	शनि	12/03/2085	104
S+	बुध	09/03/2086	105

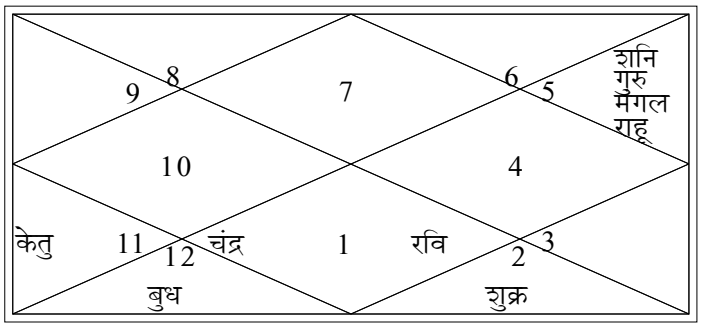

Note:

- Dates specified above are ending dates.
- The sign besides date indicates the following :

S = Sadesati s = Small Panoti
+ = Friend - = Enemy
* = Neutral -- = Bitter Enemy
++ = Intimate

MUKESH

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - शुक्र : 16/04/1980 - 09/03/1986

-	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

-	**-**	**-**	**++**	**शनि**	**09/03/1982**	**++**	**बुध**	**07/01/1985**	**++**	**केतु**	**09/03/1986**			
-	-	-	-	-	-		बुध	03/08/1982	s	केतु	01/02/1985			
-	-	-	-	-	-	+	केतु	02/10/1982	s++	शुक्र	13/04/1985			
-	-	-	-	-	-	++	शुक्र	23/03/1983	s*	रवि	04/05/1985			
-	-	-	++	शुक्र	06/09/1980	+	रवि	14/05/1983	*	चंद्र	09/06/1985			
-	-	-	--	रवि	02/11/1980	++	चंद्र	08/08/1983	*	मंगल	03/07/1985			
-	-	-	-	चंद्र	07/02/1981	--	मंगल	08/10/1983	--	राहू	05/09/1985			
-	-	-	-	मंगल	15/04/1981	*	राहू	11/03/1984	s-	गुरु	01/11/1985			
-	-	-	*	राहू	06/10/1981	--	गुरु	27/07/1984	s--	शनि	08/01/1986			
-	-	-	-	गुरु	09/03/1982	s*	शनि	07/01/1985	s+	बुध	09/03/1986			

महादशा - रवि : 09/03/1986 - 09/03/1992

	रवि	**27/06/1986**	*****	**चंद्र**	**26/12/1986**	*****	**मंगल**	**03/05/1987**	**--**	**राहू**	**27/03/1988**	*****	**गुरु**	**13/01/1989**
s	रवि	15/03/1986	s	चंद्र	12/07/1986	s	मंगल	03/01/1987	s	राहू	21/06/1987		गुरु	05/05/1988
s*	चंद्र	24/03/1986	s*	मंगल	22/07/1986	s--	राहू	22/01/1987	s-	गुरु	04/08/1987	-	शनि	20/06/1988
s*	मंगल	30/03/1986	s--	राहू	19/08/1986	s*	गुरु	08/02/1987	s*	शनि	25/09/1987	-	बुध	31/07/1988
s--	राहू	15/04/1986	s*	गुरु	12/09/1986	s--	शनि	28/02/1987	s*	बुध	11/11/1987	-	केतु	17/08/1988
s*	गुरु	30/04/1986	s--	शनि	11/10/1986	s-	बुध	18/03/1987	s--	केतु	30/11/1987	+	शुक्र	05/10/1988
s--	शनि	17/05/1986	s*	बुध	06/11/1986	s*	केतु	26/03/1987	++	शुक्र	24/01/1988	*	रवि	20/10/1988
s++	बुध	02/06/1986	s*	केतु	17/11/1986	s+	शुक्र	16/04/1987	--	रवि	09/02/1988	-	चंद्र	13/11/1988
s*	केतु	08/06/1986	s*	शुक्र	17/12/1986	s*	रवि	22/04/1987	--	चंद्र	08/03/1988	*	मंगल	30/11/1988
s*	शुक्र	27/06/1986	s*	रवि	26/12/1986	s-	चंद्र	03/05/1987	--	मंगल	27/03/1988	-	राहू	13/01/1989

--	**शनि**	**26/12/1989**	**++**	**बुध**	**01/11/1990**	*****	**केतु**	**09/03/1991**	*****	**शुक्र**	**09/03/1992**
	शनि	09/03/1989		बुध	08/02/1990		केतु	09/11/1990		शुक्र	09/05/1991
-	बुध	27/04/1989	+	केतु	26/02/1990	++	शुक्र	30/11/1990	*	रवि	27/05/1991
--	केतु	17/05/1989	++	शुक्र	19/04/1990	*	रवि	07/12/1990	+	चंद्र	27/06/1991
++	शुक्र	14/07/1989	+	रवि	04/05/1990	*	चंद्र	17/12/1990	+	मंगल	18/07/1991
--	रवि	01/08/1989	++	चंद्र	30/05/1990	*	मंगल	25/12/1990	++	राहू	11/09/1991
-	चंद्र	29/08/1989	--	मंगल	17/06/1990	--	राहू	13/01/1991	*	गुरु	30/10/1991
-	मंगल	19/09/1989	*	राहू	03/08/1990	-	गुरु	30/01/1991	++	शनि	26/12/1991
*	राहू	10/11/1989	--	गुरु	13/09/1990	--	शनि	19/02/1991	++	बुध	16/02/1992
-	गुरु	26/12/1989	*	शनि	01/11/1990	+	बुध	09/03/1991	++	केतु	09/03/1992

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

MUKESH

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - चंद्र : 09/03/1992 - 09/03/2002

	चंद्र	07/01/1993	*	मंगल	08/08/1993	--	राहू	07/02/1995	*	गुरु	08/06/1996	--	शनि	07/01/1998
	चंद्र	03/04/1992		मंगल	19/01/1993		राहू	29/10/1993		गुरु	13/04/1995	S	शनि	07/09/1996
*	मंगल	21/04/1992	--	राहू	20/02/1993	-	गुरु	10/01/1994	S-	शनि	29/06/1995	S-	बुध	28/11/1996
--	राहू	05/06/1992	*	गुरु	21/03/1993	*	शनि	07/04/1994	-	बुध	06/09/1995	S--	केतु	01/01/1997
*	गुरु	16/07/1992	--	शनि	23/04/1993	*	बुध	24/06/1994	-	केतु	04/10/1995	S++	शुक्र	07/04/1997
--	शनि	02/09/1992	-	बुध	24/05/1993	--	केतु	26/07/1994	+	शुक्र	24/12/1995	S--	रवि	06/05/1997
*	बुध	15/10/1992	*	केतु	05/06/1993	++	शुक्र	25/10/1994	*	रवि	18/01/1996	S-	चंद्र	24/06/1997
*	केतु	02/11/1992	+	शुक्र	11/07/1993	--	रवि	21/11/1994	S-	चंद्र	27/02/1996	S-	मंगल	27/07/1997
*	शुक्र	23/12/1992	*	रवि	21/07/1993	--	चंद्र	06/01/1995	S*	मंगल	27/03/1996	S*	राहू	22/10/1997
*	रवि	07/01/1993	-	चंद्र	08/08/1993	--	मंगल	07/02/1995	S-	राहू	08/06/1996	S-	गुरु	07/01/1998

*	बुध	09/06/1999	*	केतु	08/01/2000	*	शुक्र	07/09/2001	*	रवि	09/03/2002
S	बुध	21/03/1998	S	केतु	21/06/1999	S	शुक्र	18/04/2000	S	रवि	17/09/2001
S+	केतु	21/04/1998	S++	शुक्र	27/07/1999	S*	रवि	19/05/2000	S*	चंद्र	02/10/2001
S++	शुक्र	16/07/1998	S*	रवि	06/08/1999	S+	चंद्र	08/07/2000	S*	मंगल	12/10/2001
S+	रवि	11/08/1998	S*	चंद्र	24/08/1999	S+	मंगल	13/08/2000	S--	राहू	09/11/2001
S++	चंद्र	23/09/1998	S*	मंगल	05/09/1999	S++	राहू	12/11/2000	S*	गुरु	03/12/2001
S--	मंगल	23/10/1998	S--	राहू	07/10/1999	S*	गुरु	01/02/2001	S--	शनि	01/01/2002
S*	राहू	09/01/1999	S-	गुरु	05/11/1999	S++	शनि	09/05/2001	S++	बुध	27/01/2002
S--	गुरु	19/03/1999	S--	शनि	08/12/1999	S++	बुध	03/08/2001	S*	केतु	07/02/2002
S*	शनि	09/06/1999	S+	बुध	08/01/2000	S++	केतु	07/09/2001	S*	शुक्र	09/03/2002

महादशा - मंगल : 09/03/2002 - 09/03/2009

	मंगल	05/08/2002	--	राहू	24/08/2003	*	गुरु	30/07/2004	--	शनि	07/09/2005	-	बुध	05/09/2006
S	मंगल	18/03/2002		राहू	02/10/2002		गुरु	08/10/2003	s	शनि	02/10/2004	s	बुध	29/10/2005
S--	राहू	09/04/2002	-	गुरु	22/11/2002	-	शनि	01/12/2003	s-	बुध	28/11/2004	s+	केतु	19/11/2005
S*	गुरु	29/04/2002	S*	शनि	22/01/2003	-	बुध	18/01/2004	s--	केतु	22/12/2004	s++	शुक्र	18/01/2006
S--	शनि	23/05/2002	S*	बुध	17/03/2003	-	केतु	07/02/2004	++	शुक्र	27/02/2005	s+	रवि	05/02/2006
S-	बुध	13/06/2002	--	केतु	08/04/2003	+	शुक्र	04/04/2004	--	रवि	19/03/2005	s++	चंद्र	08/03/2006
S*	केतु	21/06/2002	++	शुक्र	11/06/2003	*	रवि	21/04/2004	-	चंद्र	22/04/2005	s--	मंगल	29/03/2006
S+	शुक्र	16/07/2002	--	रवि	30/06/2003	-	चंद्र	20/05/2004	-	मंगल	16/05/2005	s*	राहू	22/05/2006
*	रवि	24/07/2002	--	चंद्र	01/08/2003	*	मंगल	08/06/2004	s*	राहू	15/07/2005	s--	गुरु	09/07/2006
-	चंद्र	05/08/2002	--	मंगल	24/08/2003	-	राहू	30/07/2004	s-	गुरु	07/09/2005	s*	शनि	05/09/2006

*	केतु	01/02/2007	+	शुक्र	02/04/2008	*	रवि	08/08/2008	-	चंद्र	09/03/2009
s	केतु	13/09/2006	s	शुक्र	13/04/2007		रवि	08/04/2008		चंद्र	25/08/2008
s++	शुक्र	08/10/2006	s*	रवि	04/05/2007	*	चंद्र	19/04/2008	*	मंगल	07/09/2008
s*	रवि	16/10/2006	s+	चंद्र	09/06/2007	*	मंगल	26/04/2008	--	राहू	09/10/2008
s*	चंद्र	28/10/2006	s+	मंगल	03/07/2007	--	राहू	16/05/2008	*	गुरु	06/11/2008
*	मंगल	06/11/2006	++	राहू	05/09/2007	*	गुरु	02/06/2008	--	शनि	10/12/2008
--	राहू	28/11/2006	*	गुरु	01/11/2007	--	शनि	22/06/2008	*	बुध	09/01/2009
-	गुरु	18/12/2006	++	शनि	08/01/2008	++	बुध	10/07/2008	*	केतु	22/01/2009
s--	शनि	11/01/2007	++	बुध	08/03/2008	*	केतु	17/07/2008	*	शुक्र	26/02/2009
s+	बुध	01/02/2007	++	केतु	02/04/2008	*	शुक्र	08/08/2008	*	रवि	09/03/2009

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

MUKESH

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - राहू : 09/03/2009 - 09/03/2027

	राहू	**20/11/2011**	**-**	**गुरु**	**15/04/2014**	*****	**शनि**	**19/02/2017**	*****	**बुध**	**08/09/2019**	**--**	**केतु**	**25/09/2020**
	राहू	04/08/2009		गुरु	16/03/2012		शनि	26/09/2014	s	बुध	30/06/2017		केतु	30/09/2019
-	गुरु	13/12/2009	-	शनि	02/08/2012	s-	बुध	21/02/2015	s+	केतु	24/08/2017	++	शुक्र	03/12/2019
*	शनि	18/05/2010	-	बुध	04/12/2012	s--	केतु	23/04/2015	++	शुक्र	26/01/2018	*	रवि	22/12/2019
*	बुध	05/10/2010	-	केतु	24/01/2013	s++	शुक्र	13/10/2015	+	रवि	14/03/2018	*	चंद्र	23/01/2020
--	केतु	02/12/2010	+	शुक्र	19/06/2013	s--	रवि	04/12/2015	++	चंद्र	30/05/2018	*	मंगल	15/02/2020
++	शुक्र	15/05/2011	*	रवि	02/08/2013	s-	चंद्र	29/02/2016	--	मंगल	24/07/2018	--	राहू	12/04/2020
--	रवि	03/07/2011	-	चंद्र	14/10/2013	s-	मंगल	30/04/2016	*	राहू	10/12/2018	-	गुरु	02/06/2020
--	चंद्र	23/09/2011	*	मंगल	04/12/2013	s*	राहू	03/10/2016	--	गुरु	13/04/2019	--	शनि	02/08/2020
--	मंगल	20/11/2011	-	राहू	15/04/2014	-	गुरु	19/02/2017	*	शनि	08/09/2019	+	बुध	25/09/2020
++	**शुक्र**	**26/09/2023**	**--**	**रवि**	**20/08/2024**	**--**	**चंद्र**	**19/02/2026**	**--**	**मंगल**	**09/03/2027**			
	शुक्र	27/03/2021		रवि	13/10/2023		चंद्र	05/10/2024	S	मंगल	13/03/2026			
*	रवि	21/05/2021	*	चंद्र	09/11/2023	*	मंगल	06/11/2024	S--	राहू	10/05/2026			
+	चंद्र	20/08/2021	*	मंगल	28/11/2023	--	राहू	27/01/2025	S*	गुरु	30/06/2026			
+	मंगल	23/10/2021	--	राहू	16/01/2024	S*	गुरु	10/04/2025	S--	शनि	30/08/2026			
++	राहू	05/04/2022	*	गुरु	29/02/2024	S--	शनि	05/07/2025	S-	बुध	23/10/2026			
*	गुरु	30/08/2022	--	शनि	21/04/2024	S*	बुध	21/09/2025	S*	केतु	14/11/2026			
++	शनि	19/02/2023	++	बुध	07/06/2024	S*	केतु	23/10/2025	S+	शुक्र	17/01/2027			
++	बुध	24/07/2023	*	केतु	26/06/2024	S*	शुक्र	22/01/2026	S*	रवि	05/02/2027			
++	केतु	26/09/2023	*	शुक्र	20/08/2024	S*	रवि	19/02/2026	S-	चंद्र	09/03/2027			

महादशा - गुरु : 09/03/2027 - 09/03/2043

	गुरु	**26/04/2029**	**-**	**शनि**	**08/11/2031**	**-**	**बुध**	**13/02/2034**	**-**	**केतु**	**20/01/2035**	**+**	**शुक्र**	**20/09/2037**
S	गुरु	21/06/2027	S	शनि	20/09/2029	S	बुध	04/03/2032		केतु	05/03/2034	s	शुक्र	01/07/2035
S-	शनि	23/10/2027	S-	बुध	29/01/2030	S+	केतु	21/04/2032	++	शुक्र	30/04/2034	s*	रवि	19/08/2035
S-	बुध	10/02/2028	S--	केतु	24/03/2030	++	शुक्र	06/09/2032	*	रवि	17/05/2034	s+	चंद्र	08/11/2035
S-	केतु	26/03/2028	S++	शुक्र	25/08/2030	+	रवि	18/10/2032	*	चंद्र	15/06/2034	s+	मंगल	04/01/2036
S+	शुक्र	03/08/2028	S--	रवि	11/10/2030	++	चंद्र	26/12/2032	*	मंगल	05/07/2034	s++	राहू	29/05/2036
S*	रवि	11/09/2028	S-	चंद्र	27/12/2030	--	मंगल	12/02/2033	s--	राहू	25/08/2034	*	गुरु	06/10/2036
S-	चंद्र	15/11/2028	S-	मंगल	19/02/2031	*	राहू	16/06/2033	s-	गुरु	09/10/2034	++	शनि	09/03/2037
S*	मंगल	31/12/2028	S*	राहू	07/07/2031	--	गुरु	05/10/2033	s--	शनि	02/12/2034	++	बुध	25/07/2037
S-	राहू	26/04/2029	S-	गुरु	08/11/2031	*	शनि	13/02/2034	s+	बुध	20/01/2035	++	केतु	20/09/2037
*****	**रवि**	**09/07/2038**	**-**	**चंद्र**	**08/11/2039**	*****	**मंगल**	**14/10/2040**	**-**	**राहू**	**09/03/2043**			
	रवि	04/10/2037		चंद्र	18/08/2038		मंगल	28/11/2039		राहू	22/02/2041			
*	चंद्र	29/10/2037	*	मंगल	16/09/2038	--	राहू	18/01/2040	-	गुरु	19/06/2041			
*	मंगल	15/11/2037	--	राहू	28/11/2038	*	गुरु	03/03/2040	*	शनि	05/11/2041			
--	राहू	28/12/2037	*	गुरु	01/02/2039	--	शनि	26/04/2040	*	बुध	09/03/2042			
*	गुरु	05/02/2038	--	शनि	19/04/2039	-	बुध	14/06/2040	--	केतु	29/04/2042			
--	शनि	24/03/2038	*	बुध	27/06/2039	*	केतु	03/07/2040	++	शुक्र	22/09/2042			
++	बुध	04/05/2038	*	केतु	25/07/2039	+	शुक्र	29/08/2040	--	रवि	05/11/2042			
*	केतु	21/05/2038	*	शुक्र	14/10/2039	*	रवि	15/09/2040	--	चंद्र	17/01/2043			
*	शुक्र	09/07/2038	*	रवि	08/11/2039	-	चंद्र	14/10/2040	--	मंगल	09/03/2043			

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

MUKESH

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - शनि : 09/03/2043 - 09/03/2062

	शनि	**12/03/2046**	**-**	**बुध**	**19/11/2048**	**--**	**केतु**	**29/12/2049**	**++**	**शुक्र**	**28/02/2053**	**--**	**रवि**	**10/02/2054**
	शनि	30/08/2043	s	बुध	29/07/2046		केतु	13/12/2048		शुक्र	10/07/2050		रवि	17/03/2053
s-	बुध	02/02/2044	s+	केतु	25/09/2046	++	शुक्र	18/02/2049	*	रवि	06/09/2050	*	चंद्र	15/04/2053
s--	केतु	06/04/2044	++	शुक्र	08/03/2047	*	रवि	11/03/2049	+	चंद्र	11/12/2050	*	मंगल	05/05/2053
s++	शुक्र	06/10/2044	+	रवि	26/04/2047	*	चंद्र	13/04/2049	+	मंगल	16/02/2051	--	राहू	26/06/2053
s--	रवि	30/11/2044	++	चंद्र	17/07/2047	*	मंगल	07/05/2049	++	राहू	09/08/2051	*	गुरु	11/08/2053
s-	चंद्र	02/03/2045	--	मंगल	12/09/2047	--	राहू	07/07/2049	*	गुरु	10/01/2052	--	शनि	05/10/2053
s-	मंगल	05/05/2045	*	राहू	06/02/2048	-	गुरु	30/08/2049	++	शनि	11/07/2052	++	बुध	24/11/2053
s*	राहू	17/10/2045	--	गुरु	17/06/2048	--	शनि	02/11/2049	++	बुध	22/12/2052	*	केतु	14/12/2053
s-	गुरु	12/03/2046	*	शनि	19/11/2048	+	बुध	29/12/2049	++	केतु	28/02/2053	*	शुक्र	10/02/2054

-	**चंद्र**	**11/09/2055**	**-**	**मंगल**	**20/10/2056**	*****	**राहू**	**27/08/2059**	**-**	**गुरु**	**09/03/2062**
	चंद्र	30/03/2054	S	मंगल	05/10/2055	S	राहू	25/03/2057	S	गुरु	28/12/2059
*	मंगल	03/05/2054	S--	राहू	04/12/2055	S-	गुरु	11/08/2057	S-	शनि	23/05/2060
S--	राहू	28/07/2054	S*	गुरु	27/01/2056	S*	शनि	23/01/2058	S-	बुध	01/10/2060
*	गुरु	13/10/2054	S--	शनि	31/03/2056	S*	बुध	19/06/2058	S-	केतु	24/11/2060
--	शनि	13/01/2055	S-	बुध	28/05/2056	S--	केतु	19/08/2058	S+	शुक्र	27/04/2061
S*	बुध	05/04/2055	S*	केतु	20/06/2056	S++	शुक्र	08/02/2059	S*	रवि	12/06/2061
S*	केतु	09/05/2055	S+	शुक्र	27/08/2056	S--	रवि	01/04/2059	-	चंद्र	28/08/2061
S*	शुक्र	13/08/2055	S*	रवि	16/09/2056	S--	चंद्र	27/06/2059	*	मंगल	21/10/2061
S*	रवि	11/09/2055	S-	चंद्र	20/10/2056	S--	मंगल	27/08/2059	-	राहू	09/03/2062

महादशा - बुध : 09/03/2062 - 09/03/2079

	बुध	**05/08/2064**	**+**	**केतु**	**02/08/2065**	**++**	**शुक्र**	**02/06/2068**	**+**	**रवि**	**08/04/2069**	**++**	**चंद्र**	**08/09/2070**
	बुध	12/07/2062	s	केतु	26/08/2064		शुक्र	21/01/2066		रवि	17/06/2068		चंद्र	21/05/2069
+	केतु	01/09/2062	s++	शुक्र	25/10/2064	s*	रवि	14/03/2066	*	चंद्र	13/07/2068	*	मंगल	21/06/2069
++	शुक्र	26/01/2063	s*	रवि	12/11/2064	s+	चंद्र	08/06/2066	*	मंगल	31/07/2068	--	राहू	06/09/2069
+	रवि	11/03/2063	s*	चंद्र	12/12/2064	+	मंगल	08/08/2066	--	राहू	16/09/2068	*	गुरु	14/11/2069
++	चंद्र	23/05/2063	s*	मंगल	03/01/2065	++	राहू	10/01/2067	*	गुरु	27/10/2068	--	शनि	04/02/2070
--	मंगल	13/07/2063	s--	राहू	26/02/2065	*	गुरु	28/05/2067	--	शनि	15/12/2068	*	बुध	18/04/2070
s*	राहू	22/11/2063	s-	गुरु	15/04/2065	++	शनि	08/11/2067	++	बुध	28/01/2069	*	केतु	19/05/2070
--	गुरु	18/03/2064	s--	शनि	12/06/2065	++	बुध	02/04/2068	*	केतु	15/02/2069	*	शुक्र	13/08/2070
s*	शनि	05/08/2064	s+	बुध	02/08/2065	++	केतु	02/06/2068	*	शुक्र	08/04/2069	*	रवि	08/09/2070

--	**मंगल**	**05/09/2071**	*****	**राहू**	**24/03/2074**	**--**	**गुरु**	**29/06/2076**	*****	**शनि**	**09/03/2079**
	मंगल	29/09/2070		राहू	23/01/2072	s	गुरु	13/07/2074		शनि	02/12/2076
--	राहू	22/11/2070	-	गुरु	26/05/2072	s-	शनि	21/11/2074	-	बुध	20/04/2077
*	गुरु	09/01/2071	*	शनि	20/10/2072	s-	बुध	18/03/2075	--	केतु	16/06/2077
--	शनि	08/03/2071	s*	बुध	01/03/2073	s-	केतु	05/05/2075	++	शुक्र	27/11/2077
-	बुध	28/04/2071	--	केतु	25/04/2073	s+	शुक्र	20/09/2075	--	रवि	15/01/2078
*	केतु	19/05/2071	++	शुक्र	27/09/2073	s*	रवि	01/11/2075	-	चंद्र	07/04/2078
+	शुक्र	19/07/2071	s--	रवि	12/11/2073	s-	चंद्र	09/01/2076	-	मंगल	04/06/2078
*	रवि	06/08/2071	s--	चंद्र	29/01/2074	*	मंगल	26/02/2076	*	राहू	29/10/2078
-	चंद्र	05/09/2071	s--	मंगल	24/03/2074	-	राहू	29/06/2076	-	गुरु	09/03/2079

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

MUKESH

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व, आकृति एवं प्रकृति

1

वायु तत्व

आप तुला लग्न में उत्पन्न हुए हैं। आपका शरीर सुगठित तथा आकर्षक होगा। स्वभाव से आप विनम्र होंगे तथा अपने वार्तालाप में यत्नपूर्वक मधुर शब्दों का उपयोग करेंगे। यहां तक कि अपने प्रबल शत्रु के साथ भी ऐसी नम्रता एवं कोमलता का व्यवहार करेंगे जिससे उसे आपके द्वारा कोई भी कष्ट न हो। अपने इसी गुण के कारण आप समाज में लोकप्रियता अर्जित करेंगे तथा सभी लोग आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। आप एक हास्य प्रिय व्यक्ति होंगे तथा बच्चों के प्रति आपके मन में तीव्र आकर्षण रहेगा तथा सुंदर वस्तुओं या दृश्यों को देखकर आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। आप शीघ्र क्रोधित होकर शीघ्र ही शांत हो जाते हैं। आपके व्यक्तित्व की एक प्रमुख विशेषता यह होगी कि कभी भी किसी को कोई दुख नहीं पहुचाएंगे। आप एक विदुषी व्यक्ति होंगे तथा सत्कार्यो से अपनी आजीविका अर्जित करेंगे। साथ ही कला के प्रति भी रूचिशील रहेंगे एवं कलात्मकता से आपका भावनात्मक संबंध रहेगा। इसके अतिरिक्त नीति कार्यो में भी दक्ष रहेंगे।

आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य नीति के अनुसार ही सम्पन्न होंगे। नई बातों को जानने में रूचिशील रहेंगे तथा कोई नया सिद्धांत भी प्रतिपादित कर सकते हैं। मानसिक शक्ति की भी आप में प्रबलता रहेगी तथा अपने कार्यो को तत्परता से सम्पन्न करेंगे लेकिन किसी विशेष सिद्धांत पर अटल नहीं रहेंगे तथा अवसरानुकूल इसमें परिवर्तन करते रहेंगे। भाई बहनों एवं संबंधियों को आप अपनी ओर से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। इनसे आपको कोई विशेष सुख नहीं मिलेगा तथा यदा कदा परेशानी भी उत्पन्न हो सकती है।

राजनीति के क्षेत्र में आप कोई विशिष्ट सफलता अर्जित कर सकते हैं। आप में नेतृत्व के आवश्यक गुण विद्यमान हैं तथा अपने अनुयायियों को नैतिकता के पथ पर अग्रसर करने में समर्थ रहेंगे। आपका सामाजिक दृष्टिकोण विशाल रहेगा तथा भेद भाव न करके सभी लोगों से समानता का व्यवहार करेंगे। अतः लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। आपके व्यक्तित्व में भावुकता तथा संवेदनशीलता भी स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होगी। आप अपने कुल या परिवार में श्रेष्ठ रहेंगे साथ ही दर्शन एवं आध्यात्म में भी रूचि रहेगी। आपकी बुद्धि अत्यंत ही सूक्ष्म होगी तथा किसी बात की तह तक पहुँचने में समर्थ रहेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष पर आप बौद्धिक रूप से विजय प्राप्त करेंगे तथा वे भी आपको सम्मान की दृष्टि से देखेंगे। साधु संतो के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी। व्यापार या न्याय संबंधी कार्यों से आप लाभांवित हो सकते हैं। इस प्रकार आप शांति प्रिय, नेता, संत, लोकप्रिय, न्याय एवं संवेदनशीलता से युक्त रहकर आनंद पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

MUKESH

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

2

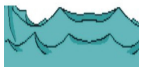

जल तत्व

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव मे वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। इसके प्रभाव से आप जीवन में स्वप्रयत्न एवं परिश्रम से धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही कृषि या बागवानी संबंधी कार्यो में भी आपकी रूचि रहेगी। साथ ही पैतृक सम्पति भी आपको अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी परंतु बहुमूल्य रत्न एवं धातुओं को अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आप भूमि या जायदाद संबंधी क्रय विक्रय या संबंधित कार्यो से लाभ अर्जित कर सकते हैं। आप एक महत्वांकाक्षी व्यक्ति होंगे तथा जीवन में परिवार के सहयोग से इच्छित उन्नति एवं सम्मान अर्जित करने में समर्थ रहेंगे लेकिन विषम परिस्थितियों का सामना करने में आप स्वयं असमर्थ समझेंगे।

पारिवारिक जनों की प्रसन्नता तथा सुविधा के लिए सुख संसाधनों के लिए आप सतत प्रयत्नशील रहेंगे। मिष्ठान आपको प्रिय रहेंगे तथा रूचि पूर्वक ग्रहण करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। प्रौढ़ावस्था में आप नेत्र संबंधी कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही उनकी देखभाल के लिए अधिक मात्रा में व्यय भी करेंगे। आपकी वाणी प्रभावशाली रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी तर्क पूर्ण बातों से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे तथा अधिकांश लोग आपसे सहमत भी रहेंगे। इसके अतिरिक्त धार्मिक परंपराओं का आप पूर्ण रूप से पालन करेंगे इसके अतिरिक्त सज्जन लोगों के प्रति आपके मन में हमेशा आदर का भाव बना रहेगा।

MUKESH

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन, लधुयात्राएं

3

अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति उत्तम रहेगी तथा दीर्घ काल तक स्मृति बनी रहेगी जिससे सामाजिक तथा अन्य क्षेत्र में आपको शीघ्र ही सफलता प्राप्त होगी। लोगों की गलतियों की भी आप उपेक्षा करेंगे। भाई बहनों से भी आप युक्त रहेंगे तथा जीवन में आपको उनका पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनकी सुख सुविधाओं के प्रति चिंतित रहेंगे तथा अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। वे सभी आज्ञाकारी कर्तव्य परायण तथा विश्वासपात्र रहेंगे। साथ ही स्पष्टवादिता का भाव आप में विद्यमान रहेगा।

आप एक साहसी तथा पराक्रमी व्यक्ति होंगे तथा नेतृत्व के गुण भी आप में विद्यमान रहेंगे। आप किसी भी मनुष्य या वस्तु के गुणों को परखकर उनके बारे में अपने मन में आस्था रखेंगे। आपके लिए समीपस्थ स्थानों की यात्राएं लाभदायक एवं ख्याति प्रदान करने वाली होंगी। साथ ही आपकी अध्ययन में रूचि होगी तथा धार्मिक ग्रंथ वैज्ञानिक या साहित्यिक पुस्तकों का आप अध्ययन करेंगे। आधुनिक संचार साधनों से आप युक्त रहेंगे तथा सुख पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। इसमें टेलीफोन, टेलीव्हिजन या वाहन आदि की प्रमुखता रहेगी। संगीत एवं हस्त कला के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी तथा यदा कदा इससे मनोरंजन करेंगे। इसके अतिरिक्त आप किसी संस्था के पदाधिकारी या उच्चाधिकारी होंगे तथा दीन दुःखियों के प्रति दयालु रहेंगे जिससे समाज में आदरणीय समझे जाएंगे।

MUKESH

माता, वाहन, भौतिक ऐश्वर्य, जायदाद एवं शिक्षा

4

पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। इसके प्रभाव से आपकी माताजी आधुनिक विचारधारा की व्यक्ति होगी तथा परिवार के प्रति पूर्ण उत्तरदायी तथा समर्पित रहेगी साथ ही आप लोगों की वह उचित सेवा करेंगी तथा स्वादिष्ट भोजन खिलायेंगी। वह अत्यधिक परिश्रमी होंगी तथा वृद्धावस्था में किंचित शारीरिक परेशानी की अनुभूति कर सकती हैं। वे सीमित व्यय करके परिवार का उचित पालन पोषण कर उसे सुव्यस्थित रूप प्रदान करेंगे। आपके पिता के लिए वह सहायिका रहेंगी तथा सभी सांसारिक कार्यों में उनको अपना सहयोग प्रदान करेंगी।

आपके पास सुंदर आकर्षक तथा आरामदायक आवास होगा तथा उसमें आधुनिक सुख सुविधा के समस्त भौतिक उपकरण तथा साधन विद्यमान रहेंगे। साथ ही पिता के द्वारा आपको वाहन की प्राप्ति हो सकती है। आप सरकार या सरकारी उद्यम में प्रशासक या प्रबंधक के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। गुप्त धन या विद्या भी आप अर्जित करेंगे तथा ज्योतिष एवं तंत्र मंत्र पर आपका विश्वास रहेगा। पैतृक सम्पति की आपको प्राप्ति होगी किन्तु इसमें कोई विवाद हो सकता है जिससे आप इसे छोड़ने या बेचने का कार्यक्रम बनाएंगे तथा इसे बेचकर अन्यत्र निवास करेंगे। शैक्षिणिक क्षेत्र में आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी तथा अच्छी एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में इच्छित सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही गणित साहित्य या मनोविज्ञान संबंधी ज्ञान भी आप अर्जित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जल संबंधित कार्यों से लाभ अर्जित करेंगे तथा मित्रों से भी आपको सुख सहयोग प्राप्त होगा।

बुद्धि, सन्तान एवं प्रणय सम्बन्ध

5

वायु तत्व

आपके जन्म समय में पंचम भाव में कुंभ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा शिक्षा को हमेशा वरीयता प्रदान करेंगे। कभी कभी आप अपने आपको असुविधाजनक स्थिति में महसूस करेंगे। फलतः इससे आपको सामान्य समस्याएं उत्पन्न होंगी। जीवन साथी एवं परिवार को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा उनके सुख सुविधाओं के प्रति हमेशा चिंतित रहेंगे। जीवन साथी के रूप में बुद्धिमान एवं उच्चशिक्षित जीवन साथी पसंद करेंगे। आप प्रेम की भावना को अंतर्मन में ही रखेंगे तथा बाहरी तौर पर उनका प्रदर्शन कम करेंगे। अतः परिवार के प्रति आप पूर्ण रुप से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे।

आज्ञाकारी संतान से जीवन में आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित होता रहेगा। अतः इन सब गुणों से युक्त होकर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलताएँ अर्जित करेंगे। आप वैदिक साहित्य एवं ज्योतिष आदि में भी रूचिशील रहेंगे तथा यत्न पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। आपके प्रति उनका पूर्ण लगाव रहेगा। तथा आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे एवं आज्ञा का भी पालन करेंगे। आप उनकी शिक्षा दीक्षा का पूर्ण प्रबंध करेंगे तथा उनमें साहस निडरता पराक्रम तथा आत्मविश्वास के भाव को जागृत करेंगे। साथ ही उत्साहपूर्वक विचारों की उनमें पृष्टि करेंगे। साथ ही पुराने रीति रिवाजों पर भी आपका विश्वास रहेगा। इसके अतिरिक्त आप धैर्यशाली, गम्भीर प्रवृति सत्यवक्ता, प्रसिद्ध अपने कल्याण के लिए कष्ट सहन करने वाले तथा पुण्य कार्य करने में सदैव तत्पर रहेंगे।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

6

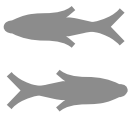

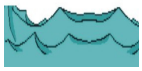

जल तत्व

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। इसके प्रभाव से आपको जीवन में किसी उच्चाधिकार प्राप्त व्यक्ति से विरोध का सामना करना पड़ेगा साथ ही अन्य शत्रु भी मान सम्मान में न्यूनता करने के लिए सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगे जिससे सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभाव में न्यूनता आएगी। आपके सेवक भी आपके लिए आज्ञाकारी तथा विश्वास पात्र रहेंगे तथा ईमानदारी से आपकी सेवा में तत्पर रहेंगे। यदि आप उनको उचित पारिश्रमिक प्रदान नहीं करेंगे तो वे घर मे किसी प्रकार की चोरी आदि भी कर सकते हैं अतः ऐसी समस्याओं का निराकरण पहले से ही कर लेना चाहिए।

आपकी प्रवृत्ति अधिक से अधिक धन संग्रह करने की रहेगी। अतः धनव्यय या पूंजीनिवेश अच्छे कार्यो में करके आपको बुद्धिमत्ता एवं सतर्कता का परिचय देना चाहिए। साथ ही कई प्रकार से पूंजीनिवेश भी करेंगे परंतु इसमें हानि की अवस्था में ऋण आदि ले सकते हैं लेकिन कर्जदाता आपसे विशेष सहयोग नहीं करेंगे तथा विलंब की अवस्था में आपके मान सम्मान में न्यूनता कर सकते हैं। इसके साथ ही अवसरानुकूल बन्धुवर्ग या अन्य संबंधी भी आर्थिक मामलों में आपको हानि प्रदान कर सकते हैं। अतः सोच समझकर किसी भी कार्य को प्रारंभ करना चाहिए।

जीवन में संबंधियों या अन्य जनों से मुकदद्मे बाजी का भी संकेत मिलता है। मामा मामी से आपके संबंध मध्यम ही रहेंगे तथा परस्पर सहयोग के भाव में न्यूनता ही रहेगी। शारीरिक स्वस्थता बनाए रखने के लिए उचित खान पान का प्रयोग करें। इसका संबंध आर्थिक जमीन जायदाद या फौजदारी मामलों से हो सकता है। साथ ही यदा कदा जीवन में दाम्पत्य जीवन की मधुरता में न्यूनता आ सकती है। जब भी आपको अत्यधिक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा तब आप गुप्त कार्यों, तंत्र मंत्र या अन्य कार्यो से शांति एवं सफलता अर्जित करेंगे।

जिस जातक के जन्म काल में बुध की स्थिति छठे भाव में होती है, शत्रुओं का पूरी तरह प्रतिरोध करता है। संन्यासियों का भक्त होता है, उनके साथ रहने से इसे सुख मिलता है। यह जातक बंधु बांधवों के साथ ज्यादा सुख नहीं अनुभव करता। यह जातक अपनों का विरोधी, कामुक, किंतु विद्वान होता है। यह जातक राजा का विरोधी होता है। इसके संन्यासी होने का योग भी बनता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करता है।

दम्पति, विवाह एवं साझेदर

7

अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आपके जीवन साथी सुशील एवं आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी होंगे परंतु यदा कदा उग्रता का भाव उनमें विद्यमान रहेगा लेकिन शीघ्र ही वे शांत भी हो जाएंगे। आप अपनी कूटनीति तथा सरल स्वभाव होने के कारण उनके साथ सांमजस्य स्थापिक करके पारिवारिक शांति तथा समृद्धि बनाने में समर्थ रहेंगे। अतः दाम्पत्य संबंधों में इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा परंतु वे आधुनिक एवं मुक्त विचारों के व्यक्ति हो सकते हैं।

आपकी सामाजिक कार्यकलापों में अधिक रूचि रहेगी। साथ ही घर के अंदर ही परिवार के साथ आपको शांति की अनुभूति होगी। आप बुद्धिमान होंगे तथा अनावश्यक विवाद के बिना शांती पूर्ण ढंग से किसी भी समस्या का समाधान करेंगे। आपको अच्छा खान पान रहन सहन तथा होटल एवं क्लब आदि जाना रूचिकर रहेगा। आप भूलो तथा क्षमा करो के सिद्धांत का भी अनुपालन करेंगे। आप उच्चस्तर का रहन सहन पसंद करेंगे तथा जीवन में इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सतत प्रयत्नशील रहेंगे। आप प्रसन्नचित्त, रोमांटिक तथा परस्पर सामंजस्य की प्रवृति के व्यक्ति होंगे। अतः जीवन साथी से सहयोग करके पारिवारिक जनों को पूर्ण सुख सुविधा एवं आराम प्रदान करने में समर्थ रहेंगे। आपके लिए कन्या और कुंभ लग्न के जातक विवाह संबंधी, साझेदार या मित्रता आदि के लिए अनुकूल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके जीवन साथी धनार्जन में तत्पर रहेंगे तथा आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। आप या आपके जीवन साथी द्रव्य संबंधी, कैमिस्ट, इंजीनियरिंग, ट्रांसपोर्ट, होटल या कला के क्षेत्र में व्यवसाय या नौकरी करके वांछित लाभ, सम्मान एवं ख्याति अर्जित कर सकते हैं।

जिस जातक के जन्म समय में सूर्य सातवें भाव में होता है वह व्यक्ति स्त्री से विशेष लाभ प्राप्त नहीं कर पाता। उसको शारिरिक पीड़ा रहती है। राजा और शत्रुओं से भयग्रस्त रहता है। यह वाकपटु और अभिमानी रहता है। इस जातक के लिए जीवन साथी ही सर्वस्व रहता है। यह जातक राजा से विरोध रखता है और राजा द्वारा दण्डित होता है। यह जीवन साथी के अभाव मे दुःखी होता है। इसको शस्त्र से पीड़ा होती है। इसको भव्य मकान प्राप्त होता है।

जिस मनुष्य के जन्म समय में चंद्रमा सप्तम स्थान में होता है वह जीवन साथी से लाभांवित होता है। इसे जीवन साथी के प्रति आकर्षण तथा उनसे भोगेच्छा बहुत होती है। इसकी वाणी में मधुरता और प्रिय जनों को को मोह लेने की पटुता बहुत होती है। इसकी बुद्धि बहुत तीव्र होती है। व्यापार में प्रगति होती रहती है। यह जातक बहुत दयालु और भ्रमणशील होता है। इसका प्रिय जनों में अनुराग विशेष के कारण उनकी आधीनता में इसे आनंद आता है।

दम्पति, विवाह एवं साझेदर

7

अग्नि तत्व

इसको शस्त्राघात से पीड़ा हो सकती है। इसको राजप्रासाद जैसा मकान प्राप्त होता है।

दहेज, बीमा, आयु एवं दुर्घटना

8

पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में वृषभ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। इसके प्रभाव से आप में आध्यात्मिक शक्ति विद्यमान रहेगी। साथ ही ज्योतिष एवं तंत्र मंत्र आदि पर भी आपका विश्वास रहेगा तथा न्यूनाधिक रूप से इसका ज्ञान भी प्राप्त कर सकते हैं। आप मित्र या बंधुवर्ग से जायदाद की प्राप्ति कर सकते हैं। साथ ही पैतृक सम्पत्ति भी आपको प्राप्त होगी। आपके अंदर सहयोग और सक्रियता के भाव की हमेशा प्रबलता रहेगी। अतः आप कोई भी सृजनात्मक कार्य दूसरों की अपेक्षा आसानी से कर लेंगे। इस प्रकार चल अचल सम्पति के स्वामी बनकर समाज में इच्छित मान सम्मान अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

आपका दाम्पत्य जीवन सामन्यतया सुखी रहेगा तथा ससुराल पक्ष के लोग धनवान और सर्वप्रकार के गुणों से परिपूर्ण रहेंगे जिससे आपको कोई भी परेशानी नहीं होगी। साथ ही आपके घर में चोरी आदि की कोई बड़ी घटना नहीं होगी तथापि अपनी बहुमूल्य वस्तुओं को पहले से ही किसी सुरक्षित स्थान में रख लेना चाहिए। आपकी प्रवृति पार्टियों को भी आयोजित करने की रहेगी जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता होगी। बीमा आदि करके आपको इच्छित लाभ हो सकता है। अतः अवसरानुकूल आपको बीमा अवश्य करवाना चाहिए। दुर्घटना आदि के योग भी सामान्यतया अल्प रहेंगे तथा अपनी सतर्कता से इन घटनाओं से सुरक्षित रहने में सफलता प्राप्त करेंगे तथापि आपको तीव्र गति से वाहन आदि नहीं चलाने चाहिए। इसके अतिरिक्त आपकी आयु अच्छी रहेगी तथा जीवन में आनंद एवं सुख का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे।

यदि जातक के जन्म समय में शुक्र अष्टम भाव में हो तो वह व्यक्ति पशुओं और चतुष्पदों से सुख प्राप्त करते हैं। इनको धनलाभ महेनत करने से होता है। यह बली और सुखी होता है। इसे सर्व प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं। जातक अधिकार संपन्न और कर्तव्यपालन में दक्ष रहता है। वह वादविवाद में भी अग्रणीय होता है। यह जातक कुल की उन्नति करता है।

सौभाग्य, प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

9

वायु तत्व

आपके जन्म समय में नवम भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। इसके प्रभाव से आप एक धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथा परंपरा एवं पारिवारिक नियमों के अनुसार अपने धर्म के अनुपालन में तत्पर रहेंगे। आप एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा भाग्यबल से इच्छित धनऐश्वर्य एवं वैभव अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त अवसरानुकूल तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। ईश्वर की सत्ता में आपका पूर्ण विश्वास रहेगा।

विभिन्न धार्मिक ग्रंथो का आप रूचि पूर्वक अध्ययन करेंगे तथा ध्यान, योग तंत्र मंत्र तथा ज्योतिष आदि में भी आपका विश्वास रहेगा एवं न्यूनाधिक रूप से इनका ज्ञान अर्जित करने में भी रूचिशील रहेंगे। यदि आप अपनी दृढ़ संकल्पता में वृद्धि कर सकें तो अपनी अन्तरप्रज्ञा शक्ति के द्वारा आप पूर्वाभास तथा भविष्यवाणी करने में सफलता अर्जित कर सकते है।

आपकी दैनिक पूजा जीवन में आपको ऐश्वर्य प्रदान करने के लिए आत्मबल प्रदान करेगी परंतु यदा कदा मानसिक असंतुलन के कारण आपको व्यवधानों का भी सामना करना पड़ेगा। साथ ही पूजा कार्य में भी समय समय पर व्यवधान उत्पन्न होंगे। प्रथम पौत्र से आपको अत्यधिक सुख एवं प्रसन्नता प्राप्त होगी। साथ ही जीवन में अन्यत्र शुभ एवं पूण्य कार्य करते रहेंगे। व्यावसायिक रूप से की गई लंबी यात्राओं से आपको लाभ यश तथा समाज में मान सम्मान में वृद्धि होगी। इससे जीवन में स्थायित्व आएगा तथा धनवैभव की भी वृद्धि होगी। आप एक प्रसिद्ध बुद्धिमान तथा विदुषी व्यक्ति होंगे तथा अपनी योजनाओं को बिना किसी रूकावट के सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त आप धर्मात्मा, सौभाग्यशाली, अतिथिसत्कार करने वाले तथा दीन दुःखियों पर कृपा करने वाले होंगे। तथा परोपकार संबंधी कार्य करने में भी तत्पर रहेंगे।

MUKESH

पिता, व्यवसाय, एवं सामाजिक स्तर

10

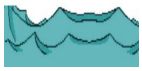

जल तत्व

आपके जन्म समय में दशम भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चंद्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आपके पिताजी का शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी वे शांत तथा प्रसन्न रहेंगे। वे परिवर्तन तथा यात्रा के प्रेमी होंगे सामाजिक कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। उनकी प्रवृत्ति भावुक तथा सहानुभूति से पूर्ण रहेगी साथ ही स्मरणशक्ति भी उत्तम रहेगी तथा किसी भी विषय वस्तु को वे दीर्घकाल तक याद रखने में समर्थ रहेंगे।

सरकार या सरकारी कर्मचारियों से आपको जीवन में यथोचित लाभ प्राप्त होगा। आप सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत हो सकते हैं। कानून विभागों से भी लाभार्जन करने में समर्थ हो सकते हैं। राजनीति में आप रूचिशील रहेंगे या राजनैतिक नेताओं तथा उच्चाधिकारी वर्ग से सम्पर्क रहेंगे जिससे आपको समय समय पर इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही मुकदद्मे आदि में सफलता प्राप्त करेंगे। रासायनिक क्षेत्र, लेखक, संगीत, गायकी तथा वास्तुकला में भी इच्छित मात्रा में उन्नति तथा धनार्जन कर सकते हैं। अतः उन्नत भविष्य के लिए आपको उपरोक्त व्यवसायों में से किसी एक को चुनना चाहिए। मध्यावस्था में आप इच्छित उन्नति एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त जल संबंधी कार्य से लाभ अर्जित करेंगे एवं पुण्य तथा धार्मिक कार्य कलाप भी समय समय पर होते रहेंगे। साथ ही दयालुता का भाव आप में विद्यमान रहेगा एवं शांति पूर्वक अपना अधिकांश समय व्यतीत करेंगे।

लाभ, मित्र, समाज, ज्येष्ठ माता एवं आकांक्षाएं

11

अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में एकादश भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा आर्थिक रूप से धनार्जन उत्तम रहेगा। यदि आप कार्यरत नहीं हैं तो उपरोक्त योग आपके जीवन साथी की कुंडली में घटित होगा। इस प्रकार धनार्जन की दृष्टि से हमेशा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। आप महत्वाकांक्षी होंगे तथा मन में कई उमंगे एवं इच्छाएँ विद्यमान रहेगी साथ ही सौभाग्य के बल पर अधिकांशतया से इनकी पूर्ति में सफल रहेंगे। सरकार, औषधि विज्ञान तथा पिता के द्वारा आपके आयस्त्रोतों में वृद्धि होगी। साथ ही बड़े भाईयों से आपको जीवन में इच्छित सुख सहयोग, लाभ एवं स्नेह प्राप्त होगा तथा आप भी पितृवत् उनको आदर प्रदान करेंगे।

मित्रों के प्रति आपके मन में पूर्ण विश्वास रहेगा तथा उनके बीच आप आदरणीय रहेंगे। आपके सभी मित्र शिक्षित बुद्धिमान एवं चतुर होंगे आप अपने क्षेत्र या समाज में ख्याति प्राप्त करेंगे। आपका स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा ही रहेगा परंतु यदा कदा गर्मी आदि से आपको परेशानी हो सकती है एवं बाएं कान में किसी परेशानी से कष्ट होगा। साथ ही अन्य जनों की भलाई तथा सहयोग करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। सामूहिक कार्य या मनोरंजन करना आप को रूचिकर लगेगा। जीवन में आप किसी विशिष्ट सामाजिक सम्मान को भी अर्जित करने में सफल हो सकते हैं। परंतु आपका सामान्य जीवन धनऐश्वर्य एवं वैभव से युक्त होकर सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

जिस जातक के जन्म समय में मंगल ग्यारहवें भाव में होता है उस व्यक्ति को संतान की ओर से विशेष लाभ होता है। शत्रुओं को भी पीड़ा देता है। यह व्यक्ति धनी होता है। साझेदारी के व्यवसाय से सदा हानि होती है। पशुधन के व्यापार से बहुत मालामाल होता है। यह जातक संग्राम में शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने वाला होता है। यह जातक ताँबा, मूँगा, सुंदर लाल वस्त्र, हर्ष, वाहन, मान सबसे युक्त होता है। यह जातक जरी, रेशमी, मखमली, जर्कसी वस्त्रों से सम्मानित अनेक प्रकार के वाहन रखने वाला, शत्रुओं से रहित, कामुक होता है। यह जातक देव भक्त होता है, चंचल और क्रोधी भी होता है। पुण्य कर्मो में चित्त को लगाने वाला तथा विपुल धन को प्राप्त करता है।

जिस जातक के जन्म समय में गुरु ग्यारहवें भाव में होता है। उसे संसार में प्रत्येक वैभव प्राप्त होता है। सोना, चांदी, आभूषण और धन धान्य का उसके यहाँ निरंतर प्रवाह चलता रहता है। बुद्धि प्रखर होती है। यह जातक बहुत ज्ञानी होता है तथा उसकी सभा में धनवान और ब्राह्मणगण स्तुति करते हैं। उसके शत्रु उससे विमुख होकर पराजित हो जाते हैं। उसके अपने बंधु बांधव हितैषी सभी प्रसन्न रहते है। यह लंबी आयु को भोगने वाला होता है। इसको ज्ञान

लाभ, मित्र, समाज, ज्येष्ठ माता एवं आकांक्षाएं

11

अग्नि तत्व

सहज रूप से बहुत होता हैं, इसके द्वार पर उत्तम वाहन खड़े रहते है और बड़े बड़े लोग इसके सान्निध्य के लिए लालायित रहते है। राज्य द्वारा यह सम्मानित और मान्य होता है। अपने कुल की वृद्धि करने वाला यह जातक निर्भय और दीर्घायु होता है।

जिस जातक के जन्म समय में ग्यारहवें स्थान में शनि होता है, वह जातक सदैव धनवान, दीर्घायु, स्थिर बुद्धि वाला होता है। इसे कोई स्थायी रोग नहीं होता। यह पूर्ण राग द्वेष से मुक्त और तरह तरह के कार्यों को करके धन का संचय करता है। यह कई मनुष्यों के प्रंपचो से भी अधिक प्रपंच बुद्धि वाला प्रवीण होता है। यह शत्रुओं को जीतने वाला और दीर्घायु होता है। यह जातक धनी होता है तथा उसे अच्छे मित्रों की संगति प्राप्त होती है। इस जातक को लोगों में सम्मान प्राप्त होता है।

जिस जातक के जन्म लग्न से ग्यारहवें भाव में राहु होता है वह सर्वदा म्लेच्छों से धन प्राप्त करता है। इसके बहुत नौकर होते हैं। इसको अपने ही देश में किसी बात का या वस्तु का अभाव नहीं होता। यह अपने ही स्थान में सुख से रहता है। इसे पुत्र सुख भी प्राप्त होता है। इस जातक को विपुल धन का लाभ होता है। इसे राज्य से मान तथा सुख प्राप्त होता है।

हानि, बन्धन, कर्ज, आवास परिवर्तन एवं मोक्ष

12

पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आप आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न एवं सुदृढ़ रहेंगे। आप भौतिक सुख संसाधनों तथा उपकरणों पर उन्मुक्त रूप से व्यय करेंगे। साथ ही आपके वस्त्र आदि भी सुंदर कीमती एवं आकर्षक रहेंगे। जीवन में आपको एक से अधिक साधनों से धन की प्राप्ति होगी आपका रहन-सहन खान-पान आदि उच्च स्तर का रहेगा। अतः प्रचुर मात्रा में धनार्जन के बाद भी उचित मात्रा में बचत कम ही होगी तथा व्यय ही अधिक रहेगा। इस प्रकार आप अपनी धनाढ्यता का अन्य जनों के समक्ष प्रदर्शन करेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन सुखी एवं शांतिमय रहेगा तथा आवास स्थल भी सुंदर एवं सुसज्जित रहेगा जिसकी सजावट में काफी व्यय होगा। साथ ही परिवार एवं मित्रों के साथ महँगे हॉटलो में भोजन या नाश्ता करना आपका शौक रहेगा। वास्तव में आप कलात्मक रूप से जीवन व्यतीत करना पसंद करेंगे तथा इसके लिए अधिकाधिक धन व्यय की आवश्यकता रहेगी। सुंदर एवं विलासमय वस्तुओं के प्रति आपके मन में तीव्र लालसा रहेगी तथा इनकी प्राप्ति में कितना भी व्यय क्यों न हो उसे अवश्य प्राप्त करेंगे। अतः आपके वैभव तथा सफलता को देखकर शत्रु आपके लिए रूकावटें उत्पन्न करेंगे जिससे कभी कभी मानसिक रूप से आप तनाव ग्रस्त भी रहेंगे।

यात्रा करने में आप रूचिशील रहेंगे तथा देश के साथ साथ विदेश संबंधी यात्राएँ सम्पन्न करेंगे। आप भ्रमण या कार्यवश दोनों प्रकार की यात्राएँ सम्पन्न कर सकते हैं। इनसे आपको उचित लाभ एवं सम्मान प्राप्त होगा। यद्यपि इनमें व्यय अधिक होगा परंतु भविष्य में लाभ तथा प्रसिद्धि के योग बनेंगे। इसके साथ ही विदेश में काफी समय तक प्रवास भी करेंगे।